केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 02 रविवार 21 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

एक पेड़ मां के नाम अभियान में मंत्री ने रोपा पौध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । एक पेड़ मॉ के नाम अभियान का मुख्य कार्यक्रम जनपद के कृषि विज्ञान केन्द्र बंजरिया में मुख्य अतिथि मंत्री पंचायतीराज ओम प्रकाश राजभर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मा. मंत्री ओम प्रकाश राजभर, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायिका महादेवा दूधराम, जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, जिलाधिकारी श्वीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस. तथा जनप्रतिनिधिगण ने वैदिक मंत्रोचार व विधि विधानपूर्वक पौधरोपण किया। उन्होने पाली हाउस का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया।

उन्होने रामपूरन, सुभाष, सुरेमन, रामचरित्र, राजाराम को अपने हाथों से पौध दिया तथा सीमा देवी, अंजली सिंह, सरिता देवी, मनीषा देवी एवं गीता देवी को श्रीअन्न मिनीकिट दिया। इसके साथ ही वहॉ पर उपस्थित आम जनमानस को मुफ्त में पौधों का वितरण भी किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि पर्यावरण के दृष्टिगत पेड़ बचाओ अभियान तथा एक पेड मा के नाम का पौध रोपित करें। इस अवसर पर उन्होने वहॉ उपस्थित सभी कृषकों को हार्दिक बधाई दिया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सौभाग्य है कि पूरे प्रदेश में वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री का हार्दिक अभिनन्द करता हूँ। एक पेड मॉ के नाम हर व्यक्ति को अवश्य लगाना हैं तथा पौध लगाने के साथ–साथ इसकी सुरक्षा विशेष रूप से करनी होंगी।

मण्डलायुक्त ने रोपा आम का पौध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के अन्तर्गत मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने आयुक्त परिसर में आम का पौध रोपित किया। उन्होने कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए सभी को युद्धस्तर पर पौध रोपण करने के साथ–साथ पौधो की देखभाल भी करना होंगा। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशान राजीव पाण्डेय, संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार, अपर निदेशक पेंशन एवं कोषागार आत्म प्रकाश बाजपेयी, प्रशासनिक अधिकारी संतोष पाण्डेय, रमेश चन्द्र कन्नौजिया, अनुपम चौधरी, अमित उपाध्याय, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, शलभ श्रीवास्तव, आलोक सिंह, संदीप यादव, पवन यादव, संजय कुमार, समीम अहमद, सौरभ कुमार द्वारा एक–एक फलदार व छायादार पौध रोपण भी किया गया।

लगाये पौधा दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। वृक्षारोपण महाअभियान–2024 के अन्तर्गत परिवहन विभाग का वृक्षारोपण लक्ष्य 560 था, जिसके सापेक्ष बक्सर/महरीपुर गॉव में थीम पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ के अन्तर्गत 450 पेड़ नजूल की जमीन पर सागौन, सहजन, आम, अमरूद, नीम लगाया गया। उक्त जानकारी देते हुए सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) रविकान्त शुक्ल ने बताया कि वहॉ के ग्राम प्रधान मेहताब आलम, स्कूली छात्र/छात्राओं एवं अध्यापकों द्वारा उक्त अभियान में बढ चढ कर प्रतिभाग किया गया। साथ ही एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के अन्तर्गत परिवहन कार्यालय के बाउन्ड्री वाल के पीछे छबिलहाखोर गॉव में ग्राम प्रधान एवं गॉव के निवासियों के सहयोग से परिवहन विभाग के समस्त कार्मिकों द्वारा 110 पेड़ लगाया गया, जिसमें सागौन, सहजन, आम, अमरूद, नीम, अशोक, पाम प्रमुख रहें।

अकबर नगर की जमीन पर सीएम योगी ने रोपे पौध

लखनऊ (आभा)। लखनऊ में अकबरनगर की जमीन पर अब सौमित्र वन विकसित होगा यहां 10000 पौधे लगाए जा रहे हैं। कुकरैल नदी के तट पर वन मियावाकी पद्धति से विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सौमित्र वन में हरिशंकरी का पौध लगाया। इसके पहले सीएम ने इन पौधों को रक्षासूत्र बांधा। इसी के साथ वृक्षारोपण जन अभियान शुरू हुआ। अभियान के दौरान प्रदेश में 36.50 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। सीएम ने सौमित्र वन के विकास की प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा भी की।

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर देशवासियों से 'एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया था। पर्यावरणविद् चिंतित हैं कि दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग जीव सृष्टि के लिए नया संकट खड़ा करने जा रहा है। यह संकट मनुष्य के स्वार्थ ने प्रदान किया है, इसलिए इसे नियंत्रित करने की जिम्मेदारी भी मनुष्य पर ही होनी चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के संवैधानिक मुखिया के रूप में पीएम मोदी का यह आह्वान हर भारतवासी के लिए मंत्र बनना चाहिए। पांच जून के बाद से प्रदेश में लगातार पौधरोपण महाभियान के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने का यह गौरव लगभग हर परिवार को प्राप्त होने जा रहा है। यूपी की कुल आबादी 25 करोड़ है, हम 36.50 करोड़ पौधरोपण कर रिकॉर्ड तोड़ने जा रहे हैं। ऐसे में यूपी में आज एक दिन के भीतर हर मातृशक्ति के नाम पर तीन पेड़ लगने जा रहे हैं। सुबह से अब तक लगभग 12 करोड़ पौधे रोपे जा चुके हैं। हमें पौधों को लगाना, बचाना और इसके जरिए पर्यावरण को संरक्षित करना है। सीएम के नेतृत्व में शनिवार को प्रदेश में एक दिन में 36.50 करोड़ पौधरोपण महाअभियान शुरू हुआ।

संचार क्रान्ति के समक्ष विश्वसनीयता का संकट कलम न होती तो दुनियां में कोई आन्दोलन न होता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । दैनिक भारतीय बस्ती के 46 वें स्थापना दिवस पर शनिवार को प्रेस क्लब सभागार में 'संचार क्रान्ति के समय में पत्रकारिता' विषयक संगोष्ठी में व्यापक विमर्श के साथ ही पत्रकार हरिश्चन्द्र अग्रवाल स्मृति सम्मान से राजेन्द्रनाथ तिवारी, डा. वी.के. वर्मा, कुलवेन्द्र सिंह, जिशान हैदर रिजवी, प्रमोद ओझा, गौहर अली को पत्रकारिता एवं समाज सेवा और वरिष्ठ छायाकार मो. इब्राहीम की स्मृति में खेल के क्षेत्र में कृष्णा गौड़, मान्या कसौधन और खेल प्रशिक्षक विकास कुमार सोनकर को संजय अग्रवाल, मो. अरशद महमूद की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। मैराथन संगोष्ठी में विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाराम चौधरी, वरिष्ठ सपा नेता चन्द्रभूषण मिश्र, डा. वी.के. वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, अवधेश त्रिपाठी आदि ने पत्रकारिता के बदलते परिवेश पर समग्र रूप से प्रकाश डाला।

विषय प्रवर्तन करते हुये भारतीय बस्ती के संस्थापक सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि हमें सच कहने का साहस बनाये रखना होगा, भारतीय बस्ती न किसी से डरा न डराया। अध्यक्षता करते हुये पूर्व सांसद अष्टभुजा प्रसाद शुक्ल ने कहा कि कलम न होती तो दुनियां में कोई आन्दोलन न होता। पत्रकारिता में सृजनात्मक बदलाव के लिये युवा पीढी को आगे आना होगा। वक्ताओं ने कहा कि संचार क्रान्ति के समक्ष सबसे बडा संकट विश्वसनीयता का है। प्रेम कुमार ओझा ने कहा कि गोण्डा में ट्रेन हादसे के दौरान लोग घायलों को बचाने की जगह वीडियो बना रहे थे, यह नये किस्म की अमानवीय त्रासदी है, इससे उबरना होगा।

'संचार क्रान्ति के समय में पत्रकारिता' संगोष्ठी में सुभाष शुक्ल, जगदीश शुक्ल, राम नरेश सिंह मजुल, डा. सत्यव्रत द्विवेदी, सत्येन्द्र सिंह भोलू, विनोद उपाध्याय, योगेश शुक्ल, सिद्धेश सिन्हा, वीरेन्द्र पाण्डेय, संध्या दीक्षित, पुनीत दत्त, सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी ओझा आदि ने कहा कि समाज जड़ नहीं हो सकता, उसकी गतिशीलता बनी रहेगी। मुद्रित समाचार पत्रों की भूमिका कभी समाप्त नहीं होगी। आभार ज्ञापन सम्पादक दिनेश सिंह और संचालन संयुक्त सम्पादक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय ने किया।

संगोष्ठी में मुख्य रूप से भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष महेश शुक्ल, रालोद नेता अरूणेन्द्र पटेल, महेश सिंह, दुष्यंत विक्रम सिंह, ब्रम्हदेव यादव देवा, अयाज अहमद, संदीप गोयल, अनुराग कुमार श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश शर्मा, दुर्गेश कुमार ओझा, श्रीकान्त मिश्र, राघवेन्द्र मिश्र, राम बाबू श्रीवास्तव, अर्जुन उपाध्याय, राजेश चित्रगुप्त, डा. नवीन सिंह, दीन दयाल तिवारी, कपीश मिश्र, हरिशंकर त्रिपाठी, सुनील कुमार पाण्डेय, सन्तोष तिवारी, राजेश चित्रगुप्त, अविनी तिवारी, भानु प्रकाश मिश्र कमलेश, अमरमणि पाण्डेय, प्रवीण कुमार पाण्डेय, श्री प्रकाश श्रीवास्तव, वसीम अहमद, सन्तोष कुमार पाल, पुनीत ओझा, अनूप मिश्र, शैलेन्द्र पाण्डेय, राकेश चन्द्र श्रीवास्तव 'बिन्नू' विजय कुमार पाण्डेय, , रहमान अली रहमान, मो. सामईन फारूकी, विजय प्रकाश चौधरी, अनिल कुमार सिंह, , वरिष्ठ पाण्डेय, दीवानचन्द पटेल, भानु प्रताप सिंह, राजेश उपाध्याय, नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय, गरूणध्वज पाण्डेय, महेन्द्र तिवारी, अमर सोनी, वी.के. त्रिपाठी, दिनेश कुमार पाण्डेय, अरूणेश श्रीवास्तव, राजेश पाण्डेय, भावेष कुमार पाण्डेय, ओम प्रकाश पाण्डेय, वीरेन्द्र गोस्वामी, आलोक त्रिपाठी, रमेश मिश्र, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, जितेन्द्र कुमार, राजेश मिश्र, दिनेश कुमार श्रीवास्तव, सुरेश सिंह गौतम, अरूणेन्द्र पटेल, आशुतोष नारायण मिश्र, जय प्रकाश गोस्वामी, राकेश तिवारी के साथ ही बड़ी संख्या में पत्रकार एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों, राजनीतिक दलों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

–दैनिक भारतीय बस्ती के स्थापना दिवस पर 'संचार क्रान्ति के समय में पत्रकारिता' में व्यापक विमर्श:-राजेन्द्रनाथ तिवारी, डा. वी.के. वर्मा, कुलवेन्द्र सिंह, जिशान हैदर रिजवी, प्रमोद ओझा, गौहर अली को हरिश्चन्द्र अग्रवाल स्मृति पत्रकारिता एवं समाज सेवा और वरिष्ठ छायाकार मो. इब्राहीम की स्मृति में खेल के क्षेत्र में कृष्णा गौड़, मान्या कसौधन और खेल प्रशिक्षक विकास कुमार सोनकर सम्मानित

100 मीटर तक कर सकेंगे मिट्टी का खनन

लखनऊ (आभा)। यूपी में लोग अब महज आनलाइन पंजीकरण कर निजी कार्य के लिए 100 घनमीटर तक मिट्टी का खनन कर सकेंगे। पुलिस और प्रशासन द्वारा मिट्टी खनन पर उनसे परमिट की मांग नहीं की जा सकेगी। इस आशय का आदेश मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शनिवार को जारी किया है। इस फैसले से प्रदेश के किसानों, कुम्हारों तथा आम लोगों को काफी राहत मिलेगी।

मुख्य सचिव द्वारा जारी आदेश में तहसील और थानों के कर्मियों को इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा गया है। इस आदेश के मुताबिक 100 घनमीटर तक मिट्टी के खनन और ढुलाई के लिए लोगों को खनन विभाग की वेबसाइट पर इससे संबंधित आवश्यक सूचना भरनी होगी।

नगर पालिका बोर्ड की बैठक में बस्ती को वशिष्ठ नगर किये जाने का प्रस्ताव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शनिवार को नगर पालिका बोर्ड की बैठक नपा अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य रूप से गृहकर व जलकर में वर्तमान मॉग पर 10 प्रतिशत का छूट दिनॉक 01 अगस्त 2024 से 30 सितम्बर 2024 तक दिया जाना प्रस्तावित किया गया।

नपा बोर्ड बैठक को संबोधित करते हुए विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी वार्डो का कायाकल्प किया जाये जिससे आम जनमानस को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो। नपा अध्यक्ष नेहा वर्मा ने कहा कि वार्ड के सभासदो की मॉग पर सभी वार्डो के नालों व नालियों की साफ–सफाई के साथ ही विद्युत व्यवस्था को चरणबद्व तरीके से सही कराया जायेगा। उन्होने कहा कि वर्तमान में जेसीबी के द्वारा मुख्य नालों की सफाई करायी जा रही है । नगर पालिका के जमीनों पर किये गये अवैध कब्जे को चिन्हित कर उसे मुक्त कराया जायेगा। उन्होने कहा कि स्वच्छ व सुन्दर बस्ती बनाने के लिए नगर पालिका प्रशासन कटिबद्व है। सभासद परमेश्वर शुक्ल उर्फ पप्पू व सभासद प्रफुल्ल श्रीवास्तव के द्वारा बस्ती जनपद का नाम बशिष्ठ नगर किये जाने का प्रस्ताव दिया गया जिसपर बोर्ड के मेम्बरों द्वारा स्वीकृति दी गई। अधिशाषी अधिकारी जितेन्द्र सिंह ने कहा कि सभी विकास के कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराये जा रहें है। बैठक में कर निर्धारण अधिकारी उदयभान के साथ अवर अभियन्ता जल श्रीमती अर्चना, गिरीश सिंह, गणेश सिंह, प्रकाश निरीक्षक अमित शुक्ला, शुभम शेखर यादव के साथ सभासदगणों में मुख्य रूप से जगदीप श्रीवास्तव, मो0 इद्रीश, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, परमेश्वर शुक्ला उर्फ पप्पू, सोनू पाण्डेय, मो0 अयूब, गौतम यादव, रमेश गुप्ता, दिनेश गुप्ता, सर्वेश यादव, राजन कुमार, श्रीमती रोली, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव, श्रीमती अमरावती देवी, श्रीमती इन्द्रावती देवी, श्रीमती विद्यावती देवी, श्रीमती ममता, रविन्द्र कुमार, निर्मला देवी, पंकज कुमार चौधरी, बेजंती सिंह, रूकसईया खातून, श्रीमती शाहजहॉ के साथ ही नपा के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

सभासदों ने एम.एल.सी. सुभाष यदुवंशी को सौंपा मांग पत्र नगर पालिका को विकास के लिये धन दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शनिवार को नगर पालिका परिषद बोर्ड की बैठक के बाद सभासदों के प्रतिनिधि मण्डल ने वार्ड नं. 19 ओरीजोत के सभासद कृष्ण कुमार के नेतृत्व में विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश को मांग पत्र सौंपा। कहा कि धन के अभाव में नगर पालिका परिषद के 25 वार्डों में आवश्कतानुरूप आवश्यक कार्य नहीं हो पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में व्यक्तिगत एवं शासन स्तर पर नगर पालिका परिषद बस्ती को वार्डो के विकास हेतु समुचित धनराशि उपलब्ध कराया जाय।

विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने सभासदों को आश्वासन दिया कि वे आपके सुझाव को सरकार और शासन तक पहुंचायेंगे। प्रयास होगा कि बस्ती नगर पालिका को समुचित धनराशि आवंटित कराया जाय। मांग पत्र सौंपे जाने के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा के साथ ही सभासद वैजयन्ती सिंह, राजन ठाकुर, पंकज चौधरी, रमेश कुमार गुप्ता, रोली चौधरी, ममता सोनकर, जगदीप श्रीवास्तव, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, सर्वेश यादव, गौतम यादव, मो अयूब, रूकुय्या खातून, अमरावती देवी, निर्मला देवी, सभासद प्रतिनिधि अरविन्द सोनकर, जीवन चौधरी लाला, महेन्द्र सोनकर, मो. आमिर, प्रमोद गुप्ता, उमेश प्रजापति, अभीजीत सिंह के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे।

बीडीओ ने किया प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण, लगाये पौध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शनिवार को खण्ड विकास अधिकारी बहादुरपुर आलोक कुमार पंकज ने प्राथमिक विद्यालय अगई भगाड का बीटीएक के तहत निरीक्षण करने के साथ ही बच्चों को पढाने के साथ ही पौधरोपण किया। उन्होने बेहतर शिक्षा पर जोर देते हुये प्रधानाध्यापक राजीव उपाध्याय को छात्रों की संख्या बढाने के लिये निर्देशित किया। उन्होने सुझाव दिया कि समय–समय पर छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण करा लिया जाय। उन्होने छात्रों से सवाल पूंछे और सही जबाब मिलने पर शाबासी दिया।

ग्राम पंचायत अगई भगाड के सचिव ज्ञानेन्द्र मिश्रा और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मोहित सिंह व कोटेदार संजय सिंह को विद्यालय के प्रति लगाव रखने हेतु सुझाव दिये। इस दौरान शिक्षिका संध्या गुप्ता, शिक्षा मित्र कुसुम देवी, ऊषा सिंह आदि ने योगदान दिया। प्रधानाध्यापक राजीव उपाध्याय ने आभार ज्ञापन किया।

सरदार सेना ने किया बाउन्ड्रीवाल से महापुरूषों का चित्र हटाने की मांग:बाबा साहब के चित्र पर पेशाब करने वाले पुलिसकर्मी पर कार्रवाई हो

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । शनिवार को सरदार सेना के जिला उपाध्यक्ष शहजाद आलम के नेतृत्व पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि थाना पैकोलिया के बाउन्ड्रीवाल पर देश के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डा० भीमराव अम्बेडकर का चित्र बना हुआ है। स्लोगन पर साफ–साफ लिखा है। शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पियेगा वही दहाडेगा। लेकिन देश के रक्षक व प्रशासन के महत्वपूर्ण अंग सिपाही की वर्दी मे संलग्न चित्र पर पेशाब करता हुआ दिखा। इस घटना से बहुजन समाज के लोग काफी आहत है। दोषी पुलिसकर्मी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के साथ ही उसे सेवा मुक्त किया जाय।

ज्ञापन में कहा गया है कि सरदार सेना विधानसभा अध्यक्ष हरीश अमरजीत चौधरी को 151 में इसलिए जेल भेज दिया गया क्योकि उन्होने एक फेसबुक आई डी पर पोस्ट पढ़ा था कि हमारे जमीन पर पूर्व सांसद कब्जा करवाने का कार्य कर रहे है। इसी को लेकर के विधानसभा अध्यक्ष ने पोस्ट कर दिया। इस तरह का एक तरफा कार्यवाही सरदार सेना बर्दाश्त नहीं करेगा। इसी कड़ी में बस्ती जनपद के बाउण्ड्रीवाल पर से महापुरुषो की फोटो हटाया जाने , महाराणा प्रताप तिराहे से जिलाधिकारी आवास के आगे तक सडक टूटी हुई है। उसे गड्ढा मुक्त किये जाने, विकास भवन लोहिया काम्प्लेक्स के अन्दर गन्दगी का अम्बार लगा हुआ है एवं शौचालय न होने के कारण खुले मे लोग पेशाब करने का काम करते है यहां साफ सफाई की व्यवस्था कराने, कुआनों नदी पर लालगंज पुल के दोनों तरफ मजबूत जाली लगायें जाने, मूडघाट पुल के पास स्ट्रीट लाइट एवं जाली लगवाये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने वालों में सरदार सेना के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, सुनील पटेल, शिवशंकर चौधरी 'शाका', राजकुमार पटेल, अजय यादव, अखिलेश प्रजापति, अशोक चौधरी, विवेक चौधरी, विजय पटेल, रामबृक्ष गौतम, अभिषेक मौर्य, सुनील राजभर, अनिल गौतम, आरिफ अंसारी आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 जुलाई 2024 रविवार

सम्पादकीय

प्रदूषण और मौतें

यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि भारत के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण हवा में व्याप्त प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत है। पिछले दिनों चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी चर्चित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के अध्ययन में ये आंकड़े सामने आए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन शहरों में निर्धारित मानकों से अधिक प्रदूषण है, वहा भी प्रदूषण नियंत्रण के लिये केंद्र द्वारा आवंटित राशि का बड़ा हिस्सा अनुपयोगी रह जाता है। विडंबना देखिए कि 131 शहरों को आवंटित धनराशि का महज 60 फीसदी ही खर्च किया जाता है। यह स्थिति तब है जब देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने इस चुनौती के मुकाबले के लिये राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के क्रियान्वयन की घोषणा 2019 में की थी। जिसका मकसद था कि खराब हवा के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को कम किया जा सके। कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति को बीस से तीस फीसदी कम किया जा सके। कालांतर नये लक्ष्य निर्धारित किये गए और कहा गया कि दो वर्ष का समय आगे बढ़ाकर लक्ष्य को चालीस फीसदी कर दिया जाए। दरअसल, इस अभियान के अंतर्गत वार्षिक आधार पर वायु स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाता है। इस अभियान के तहत वातावरण में व्याप्त धूल को नियंत्रित करने वाले कदम उठाये जाते हैं। मसलन सार्वजनिक यातायात को प्रोत्साहन, शहरों में पौधरोपण करके हरियाली का दायरा बढ़ाना, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन तथा इन वाहनों के लिये चार्जिंग स्टेशन बनाने जैसे अभियान को गति देना। यह कार्यक्रम प्रदूषण से ग्रस्त चुनिंदा शहरों में चलाया जाना था। लेकिन राज्य सरकारों व स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान की निगरानी केंद्र सरकार के कुछ विभागों के अलावा राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण भी करता रहा है। लेकिन स्थानीय निकायों व प्रशासन ने संकट की गंभीरता को नहीं समझा। इस दिशा में अपेक्षित सक्रियता नजर नहीं आई। उल्लेखनीय है कि प्रदूषित शहरों को वार्षिक लक्ष्यों के अनुरूप कार्यक्रम संचालित करने थे। ये वे शहर थे जहां पांच सालों तक हवा की गुणवत्ता लक्षित मानकों से कम रही थी। केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिये करीब साढ़े दस हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। लेकिन सिर्फ साठ फीसदी राशि ही इस मकसद के लिये खर्च की गई। वहीं सत्ताईस शहरों ने बजट का तीस फीसदी ही खर्च किया। कुछ शहरों ने तो इस मकसद के लिये आवंटित धन का बिल्कुल उपयोग नहीं किया। यह स्थिति इस गंभीर चुनौती को लेकर आपराधिक लापरवाही को ही दर्शाती है। जाहिर है ऐसी लापरवाही से इन शहरों की हवा सुधारने के लक्ष्य हासिल करना असंभव ही लगता है। जीवाश्म ईंधन के उपयोग, सड़कों पर निरंतर बढ़ते पेट्रोल—डीजल वाहन, सार्वजनिक यातायात की बदहाली व कचरे का ठीक से निस्तारण न होने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल करना मुश्किल ही नजर आता है। अब केंद्र सरकार इस दिशा में गंभीरता से पहल कर रही है और नये सिरे से योजना का मूल्यांकन करने जा रही है। जिससे प्रदूषित शहरों को दी जाने वाली राशि का यथा समय अधिकतम उपयोग हो सके। निस्संदेह, राज्यों के शासन व स्थानीय प्रशासन के वायु प्रदूषण को लेकर उदासीन रवैये से नागरिकों के जीवन का संकट बरकरार है। दरअसल, ऐसे कार्यक्रमों की सार्थकता नागरिकों की जागरूकता पर भी निर्भर करती है। सर्वविदित तथ्य है कि न तो सरकारों के पास पर्याप्त संसाधन हैं और न ही ऐसा विशिष्ट कार्यबल। नागरिकों की जागरूकता व जवाबदेही बढ़ाकर वायु प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है। यह एक गंभीर संकट है और गंभीर समाधान ही मांगता है।

आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस और मीडिया

—प्रो. संजय द्विवेदी—

माननीय प्रधानमंत्री जी हम आभारी हैं कि आप हमारे बीच आए। मेरी ऑन दि जॉब लर्निंग अब शुरू हो गई है और 2024 तक मैं देश की सबसे अच्छी जर्नलिस्ट होने की कोशिश करूंगी। उम्मीद करती हूं कि तब आपसे एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू करने का मौका मुझे मिलेगा। आपका बहुत—बहुत धन्यवाद।'' ये शब्द हैं भारत की पहली ए.आई. रोबोट एंकर सना के। आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस के मीडिया जगत में बढ़ते इस्तेमाल की कई संभावनाएं हैं। इसी में से एक है कि आने वाले समय में देश के प्रधानमंत्री एक ए.आई. एंकर से देश के भविष्य और योजनाओं के बारे में चर्चा करते दिखें।

दरअसल आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस के 'टैक्स्ट टू स्पीच' फीचर की बदौलत अब भारतीय न्यूजरूम में मशीन को इंसानी चेहरे में ढालकर खबरें पेश की जा रही हैं। पिछले साल अप्रैल के महीने में इंडिया टुडे ग्रुप ने ए.आई. एंकर से समाचार बुलेटिन का प्रसारण शुरू किया था। लांच कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एंकर का परिचय देते हुए कहा गया था कि वह ब्राइट है, सुंदर है, उम्र का उस पर कोई असर नहीं होता है और न ही कोई थकान होती है, वह बहुत सारी भाषाओं में बात कर सकती है। हाल के कुछ समय से आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस बहुत चर्चा का विषय बना हुआ है और पत्रकारिता का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रह रहा है। मौजूदा समय में भारत की मेनस्ट्रीम मीडिया का बड़ा हिस्सा विज्ञापन पर निर्भर होकर काम कर रहा है। ऐसे में तकनीक के जरिए डाटा के आधार पर समाचार बुलेटिन प्रस्तुत करना और अन्य काम भी इंसान की जगह मशीन की बदौलत होने ने मीडिया इंडस्ट्री के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस और पत्रकारिता — आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस हमारे जीवन के लगभग सभी पहलुओं समेत पत्रकारिता में भी शामिल हो गई है। डिजिटल मीडिया की वजह से जाने—अनजाने में ही ए.आई. तकनीक पर आधारित कंटैंट का इस्तेमाल कर रहे हैं। चाहे वह यू—ट्यूब के एल्गोरिदम की वजह से आपको दिखते वीडियो हों या वैबसाइट पर दिखने वाले विज्ञापन। सभी का एक कारण ए. आई. तकनीक ही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव की वजह से ए.आई. पत्रकारिता में बड़ी भूमिका निभा रहा है। मीडिया कंपनियां अपने कंटैंट को अधिक बूस्ट करने के लिए ए. आई. की मदद ले रही हैं। लेख लिखने से लेकर बुलेटिन प्रसारित करने तक में ए.आई. का सहारा लिया जा रहा है।

खतरे में पत्रकारों की नौकरियां — इंसान की जगह मशीन के इस्तेमाल होने का पहला खतरा इंसानों पर ही पड़ता है। बी.बी.सी. द्वारा प्रकाशित एक समाचार के अनुसार साल 2020 में माइक्रोसॉफ्ट ने बड़ी संख्या में 'एम.एस.एन.' वैबसाइट के लिए लेखों के चयन, क्यूरेटिंग, हैडलाइन तय करने और एडिटिंग करने वाले पत्रकारों की जगह स्वचलित सिस्टम को अपनाने की योजना बनाई। खबर के अनुसार कंपनी ने ए.आई. तकनीक के सहारे खबरों के प्रोडक्शन के कामों को पूरा करना तय किया। माइक्रोसॉफ्ट जैसी अन्य टैक कंपनियां मीडिया संस्थानों को उनका कंटैंट इस्तेमाल करने के लिए भुगतान करती हैं। इन सब कामों के लिए पेशेवर पत्रकारों की मदद ली जाती आई है, जो कहानियां तय करने, उनका प्रकाशन कैसे होना है, हैडलाइन तय करने जैसे काम करते हैं। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट के ए.आई. तकनीक के इस्तेमाल के बाद से लगभग 50 न्यूज प्रोडक्शूसर्स को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी।

आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस अपने शुरुआती दौर में है, लेकिन अभी से न्यूज रूम के भीतर उसकी मौजूदगी से मीडिया पेशेवरों की नौकरियों पर संकट बनना शुरू हो चुका है। डायच वेले के अनुसार हाल ही में यूरोप के सबसे बड़े पब्लिकेशन हाऊस 'एक्सल स्प्रिंगर' ने कई संपादकीय नौकरियों को ए.आई. में बदल दिया है। स्प्रिंगर में नौकरियों की कटौती ने मीडिया उद्योग की रोबोट पर निर्भरता की आशंकाओं में तेजी ला दी है।

न्यूजरूम में ए.आई. एंकर — भारत समेत कई अन्य देशों में न्यूज एंकर के तौर पर कम्प्यूटर जनित मॉडल यानी ए.आई. एंकर समाचार पढ़ते नजर आ रहे हैं। बहुत हद तक इंसानी तौर पर दिखने वाले ये न्यूज एंकर कॉर्पोरेट मीडिया हाऊस के मुनाफे वाले दृष्टिकोण से हितैषी हैं, क्योंकि इन्हें न कोई सैलरी की आवश्यकता है, न छुट्टी की। ये 24 घंटे और सातों दिन डाटा के आधार पर काम कर सकते हैं। भारत की पहली ए.आई. न्यूज एंकर सना के लांच के समय इसी तरह के शब्द कहे गए थे कि वह बिना थके लंबे समय तक काम कर सकती है। 'द गार्डियन' के अनुसार साल 2018 में चीन की न्यूज एजैंसी 'शिन्हुआ' पहला ए.आई. न्यूज एंकर दुनिया के सामने लाई। इस एजैंसी के किउ हाओ पहले ए.आई. एंकर हैं, जिन्होंने डिजिटल वर्जन पर समाचार प्रस्तुत किया। शिन्हुआ और चीनी सर्च इंजन सोगो द्वारा यह ए.आई. एंकर विकसित किया गया है।

चीन के अलावा कुवैत भी अपना ए.आई. न्यूज एंकर लांच कर चुका है। हाल ही में 'न्यूज 18' के पंजाब और हरियाणा के क्षेत्रीय चौनल की तरफ से भी ए.आई. एंकर के बारे में बात की गई। इस एंकर का नाम ए. आई. कौर है। आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस अभी अपने शुरुआती चरण में है, लेकिन यह देखना वास्तव में बहुत दिलचस्प होगा कि यह पत्रकारिता को किस तरह से बदलेगा।

विधवा या तलाकशुदा महिला और समाज

—पूरन चंद सरीन—

जब समाज में घटी घटना यह सोचने को विवश करे कि क्या आधुनिक और टैक्नोलॉजी संपन्न परिवेश में ऐसी परंपरा का अभी भी अस्तित्व है जो हमें सदियों पीछे ले जाए? समझना चाहिए कि कहीं तो गड़बड़ है और 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे' चरितार्थ हो रहा है। लकीर के फकीर की राह पर चलते हुए परिवर्तन का ढोंग हम और हमारा समाज कर रहा है। मजे की बात यह कि डंके की चोट पर हो रहा है।

विधवा की हैसियत — घटना यह है कि सन् 2023 में सियाचिन क्षेत्र में अपने साथी सैनिकों की रक्षा करने के प्रयास में 23 वर्षीय कैप्टन अंशुमन सिंह की शहादत हो जाती है। उनकी अदम्य वीरता के लिए उन्हें कीर्त चक्र से सम्मानित करने का निर्णय लिया जाता है। यह सम्मान जुलाई 2024 में राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। इसे लेने के लिए पिता रवि प्रताप सिंह, मां मंजु सिंह और पत्नी स्मृति सिंह सम्मान स्थल पर उपस्थित होते हैं। विशेष बात यह है कि अंशुमन और स्मृति का विवाह 5 महीने पहले ही हुआ था। कह सकते हैं कि वे अभी अपनी गृहस्थी जमा ही रही थीं कि यह वज्रपात हो गया। इसी तरह माता—पिता भी अपने पुत्र की सफलताओं से गद्गद् हों और उसे तथा उसके परिवार को अपने सामने फलता—फूलता देखें कि यह अनहोनी हो गई। इस हृदय विदारक स्थिति की कल्पना करना कोई कठिन नहीं है क्योंकि किसी व्यक्ति के लिए यह अप्रत्याशित हो सकती है लेकिन जीवन यात्रा के लिए सामान्य है। खैर, कीर्ति चक्र मिलता है, परिवार को संवेदना युक्त शुभकामनाएं भी मिलती हैं। पत्नी का पति के लिए और मां—बाप का पुत्र के लिए गर्व का अनुभव स्वाभाविक है।

चिंता इस बात की है — अब स्थिति यह बनती है जो बहुत ही ड्क्षचाताजनक है। होता यह है कि पिता अपनी विधवा बहू पर आरोप लगाते हैं कि उसे जो सम्मान और धनराशि मिली, वह उसे नहीं मिलनी चाहिए। इसके लिए रक्षा मंत्री तक गुहार लगाते हैं कि निकटतम संबंधी की परिभाषा में सबसे पहले जो पत्नी आती है, उसे बदला जाए। माता—पिता का ही अधिकार हो। पुत्र को जो कुछ सम्मान और धन मिले, उस पर पहला अधिकार उनका हो, पत्नी का नहीं। सोशल मीडिया के कारण दोनों ओर से सफाई और अपना—अपना पक्ष भी रखा जा रहा है जिसका महत्व हो सकता है लेकिन इतना नहीं कि मुख्य मुद्दा गायब हो जाए और वह यह कि विधवा के क्या अधिकार हैं और उनकी सुरक्षा का क्या प्रबंध है ?

समाज से दूरी बनाया जाना, आरोप लगाना, तिरस्कार करना, शक और सुलभ वस्तु का नजरिया रखना जिसके साथ चाहे हिंसा करे, गाली—गलौच हो, कहीं बाहर जाए तो लांछन और किसी भी समारोह में जाने की मनाही, यहां तक कि अपने ही बच्चों से दूरी बनाए रखने की हिदायत मामूली और दैनिक क्रिया बन जाती है। यह सब शायद किसी व्यक्ति या वर्ग को अजब—गजब लगे लेकिन चाहे ग्रामीण हो या शहरी समाज, यही वास्तविकता है। दुख तथा अफसोस इस बात का है कि आज भी यह सब प्रचलन में है। यह महिला का सम्मान या उत्थान तो कतई नहीं है !

हालात क्यों नहीं बदलते? — ऐसा नहीं है कि इस स्थिति को बदलने के प्रयास नहीं हुए हैं, सदियों और दशकों से होते रहे हैं लेकिन उनका कुछ असर हुआ होता तो स्मृति सिंह जैसी घटना देखने को नहीं मिलती। अंग्रेजों द्वारा बनाए कानून, विधवा का फिर से विवाह कर सकने का आंदोलन और उसकी सफलता तथा स्त्री के प्रति केवल उपभोग की दृष्टि न रखकर उसे जीवन संगिनी का वास्तविक दर्जा देने की मुहिम, यह सब और भी बहुत कुछ इस संबंध में हुआ है लेकिन आज भी केवल ढाक के तीन पात का ही चलन दिख रहा है। अंग्रेजों के कानून बदले, विधवा पुनर्विवाह का रास्ता खुला और उसे अपना जीवन अपनी तरह से जीने की स्वतंत्रता की राह दिखी, पति और पारिवारिक संपत्ति में उसके अधिकार को मान्यता दी गई। आज जो नया कानून है वह बहुत ही स्पष्ट है कि अब विधवा का दोबारा शादी कर लेने के बाद भी पहले पति की विरासत में अधिकार है, वह अपनी सुविधा और मर्जी से जीवन जी सकती है लेकिन कानून की सुनता कौन है? वह तो हाथ का खिलौना है और उसे कठपुतली की तरह नचाया जा सकता है। स्त्री और पुरुष की बराबरी की हैसियत के दावे पर मर्द को अपनी मर्दानगी दिखाने की सोच या अहंकार हावी है। कानून को ठेंगा दिखाने में महारत रखने वाले अंधेर नगरी और चौपट राजा सिद्ध कर देते हैं।

हमारे देश में दुर्भाग्य से अधिकतर कानून सब पर लागू नहीं होते, वे अपने धर्म के अनुसार चलते हैं। विरासत का कानून भी उनमें से एक है जो धर्मों के अनुसार चलता है। हालांकि हिंदू, मुस्लिम, ईसाई तथा अन्य धर्मों में यह कुछ न कुछ अलग है लेकिन एक बात सब में समान है कि औरत को उसका जायज हक न मिल सके, इसकी पूरी व्यवस्था है। ड्क्षहदू स्त्री को गोद लेने का अधिकार है, उसे गुजारे की राशि मिलना तय है, स्वर्गीय पति की तरह अपना स्टेटस बना कर रहने और उसकी संपत्ति में हिस्सा लेने का कानून है, जितने भी दावेदार हैं, उनमें वह भी है और परिवार तथा ऐसा नहीं है कि इस स्थिति को बदलने के प्रयास नहीं हुए हैं, सदियों और दशकों से होते रहे हैं लेकिन उनका कुछ असर हुआ होता तो स्मृति सिंह जैसी घटना देखने को नहीं मिलती। अंग्रेजों द्वारा बनाए कानून, विधवा का फिर से विवाह कर सकने का आंदोलन और उसकी सफलता तथा स्त्री के प्रति केवल उपभोग की दृष्टि न रखकर उसे जीवन संगिनी का वास्तविक दर्जा देने की मुहिम, यह सब और भी बहुत कुछ इस संबंध में हुआ है लेकिन आज भी केवल ढाक के तीन पात का ही चलन दिख रहा है। अंग्रेजों के कानून बदले, विधवा पुनर्विवाह का रास्ता खुला और उसे अपना जीवन अपनी तरह से जीने की स्वतंत्रता की राह दिखी, पति और पारिवारिक संपत्ति में उसके अधिकार को मान्यता दी गई। आज जो नया कानून है वह बहुत ही स्पष्ट है कि अब विधवा का दोबारा शादी कर लेने के बाद भी पहले पति की विरासत में अधिकार है, वह अपनी सुविधा और मर्जी से जीवन जी सकती है लेकिन कानून की सुनता कौन है? वह तो हाथ का खिलौना है और उसे कठपुतली की तरह नचाया जा सकता है। स्त्री और पुरुष की बराबरी की हैसियत के दावे पर मर्द को अपनी मर्दानगी दिखाने की सोच या अहंकार हावी है। कानून को ठेंगा दिखाने में महारत रखने वाले अंधेर नगरी और चौपट राजा सिद्ध कर देते हैं।

विशेषकर ससुर पर यह जिम्मेदारी है कि वह अपनी विधवा बहू को अच्छी तरह रखे, अपनी बेटी मानकर व्यवहार करे और उसकी रजामंदी हो तो उसका दोबारा घर बसाने की पहल करे। इसका प्रावधान है कि उसे उसका हिस्सा मिले। कानून के अनुसार कार्रवाई हो। मुस्लिम स्त्रियां शरीयत की व्यवस्था पर निर्भर हैं। इसी तरह ईसाई, पारसी, सिख तथा अन्य धर्मों में है। उनमें भी स्त्री की दशा निर्भरता की ही है, बात चाहे उनकी रिवायतों की हो या परिवार के दबाव की।

जरूरत क्या है? — भारत में विधवा होने के अभिशाप से नारी को मुक्त किया जाए और जो उसे समाज और परिवार के बंधनों में जकड़ कर रखना चाहते हैं, उन्हें सजा मिलने का कानून हो। गांव देहात में अभी भी पति की किसी भी कारण से मृत्यु होने पर विधवा को घर से निकालना, उसे प्रताडित और बहिष्कृत करना सामान्य बात समझी जाती है। जबकि उसकी ऊर्जा, क्षमता, बुद्धि, शिक्षा और कार्य कुशलता का उपयोग घरेलू काम—धंधों से लेकर खेतीबाड़ी तक में किया जा सकता है।

इसी तरह शहरों में उन्हें घर की चारदीवारी से निकलकर अपने लिए कुछ नया करने तथा आत्मनिर्भर होने का आधार दिया जा सकता है। बहुत बड़ा समाज है जहां स्त्रियों को पति की मृत्यु पर बेसहारा नहीं समझा जाता और उन्हें नफरत से न देखकर प्यार से रखा जाता है। लेकिन यह सब अपवाद की श्रेणी में आते हैं। उस समाज का आकार चाहे छोटा हो लेकिन स्त्री को पैर की जूती या दहलीज की चौखट मानने की मानसिकता रखने वालों की कमी नहीं है। जहां तक कानून की ताकत की बात है तो जैसे ही रवि प्रताप सिंह रक्षा मंत्री के पास अपनी बहू के अधिकार छीन लिए जाने की बात लेकर गए थे, उन पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए थी और हिरासत में लिया जाना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो यह शहीद सैनिक का सम्मान होता और दकियानूसी सोच रखने वालों के मुंह पर तमाचा होता।

परीक्षाओं के विवाद

—अरविंद मोहन—

मैडीकल प्रवेश परीक्षा का मामला इस बार जहां पहुंचा है उसमें साफ लगता है कि देश भर के बच्चे और अभिभावक तथा सुप्रीम कोर्ट इसे किसी साफ नतीजे तक पहुंचाए बगैर नहीं रहेंगे। यह बात अदालत भी जानती होगी, लेकिन वह एक बार में अपनी शक्ति का उपयोग करके अफरातफरी मचाना नहीं चाहती होगी। सो उसने कई तरह के सवाल इस परीक्षा का संचालन करने वाली नैशनल टैस्टिंग एजैंसी (एन.टी.ए.) और सरकार के सामने रखे और यह प्रयास भी किया कि सारे बच्चों को दोबारा परीक्षा में बैठने या व्यवस्था को ज्यादा परेशान किए बिना कुछ 'लोकल आप्शेन' से बीमारी ठीक हो जाए तो वह भी किया जाए। पहले उसने काऊंसड्क्षलग रोकने पर बंदिश नहीं लगाने का फैसला दिया था।

पर इन सारी कोशिशों में चालीस दिन से ज्यादा का कीमती समय निकल चुका है। कीमती इसलिए कि अब तक बच्चों की काऊंसड्क्षलग और नामांकन का काम पूरा हो चुका होता और कई जगह पढ़ाई भी शुरू हो जाती। देरी की शुद्ध वजह केंद्र सरकार और उसकी इस एजैंसी एन.टी.ए. द्वारा की जा रही शरारतें हैं। शरारत ही कहना ज्यादा उचित है क्योंकि इन दोनों का व्यवहार ऐसा है जैसे इनको पता ही नहीं है कि पेपर लीक हुआ और परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। पेपर लीक की कथा तो परीक्षा की तारीख से पहले ही शुरू हुई और दिन—ब—दिन नए साक्ष्य और अपराधी सामने आते जाने से इसकी व्यापकता, भयावहता और इसमें शामिल लोगों की ताकत का रहस्य खुलता जा रहा है। जब लीक कराने के खेल के छुटभैये पोस्ट डेटेड चौक से भुगतान लेने जैसे व्यवहार चला रहे थे तब उनकी पहुंच, दुरूसाहस और ऊपर से कनैक्शन के बारे में सहज ही सोचा जा सकता है। यह तो भला हो बिहार पुलिस के एक जूनूनी अधिकारी का जिसने जान जोखिम में डालकर इस पूरे षड्यंत्रकारी नैटवर्क को नंगा दिखाने की शुरुआत की।

हम देख रहे हैं कि रोज नई गिरफ्तारियां हो रही हैं और रोज नए साक्ष्य मिल रहे हैं। अभी ही जो तस्वीर उभर रही है वह कई—कई राज्यों में 50 से 100 करोड़ रुपए तक के लेन—देन की ओर इशारा करती है। और यह संबंधों या विचारधारा के आधार पर कुछ बच्चे—बच्चियों को 'फेवर' करने की जगह एक धंधे के रूप में, वाघ्यक कमाई के अवसर के रूप में सामने आ चुका है। और जिस तरह से सरकार, मानव संसाधन मंत्री और एन.टी.ए. ने पहले दिन से इस मामले में आचरण किया है वह बताता है कि वे न तो इस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं, न अपना दोष या चूक मानने को तैयार हैं और न ही आगे से ऐसी गलती न हो इसका इंतजाम करना चाहते हैं। मंत्री महोदय तो पहले दिन से पेपर लीक न होने का तमगा बांटने में लग गए थे। जो एकमात्र कार्रवाई हुई है वह एन.टी.ए. के प्रमुख का तबादला है—उनको भी किसी तरह की सजा नहीं मिली है। ये वही सज्जन हैं जिन्हें मध्य प्रदेश में व्यापक करवाने का अनुभव है और आज भी उस मामले में कुछ नहीं हुआ है जबकि उसे सामने लाने वाले कितने ही लोग मारे जा चुके हैं।

जब मंत्री जी पेपर लीक मानने लगे तो उनका मंत्रालय और एन.टी.ए. इसे सीमित लीक बताने में लगा है। और जगह तो नहीं लेकिन अदालत में सरकार और एन.टी.ए. की तरफ से दी जाने वाली दलीलें उनकी मंशा का सबसे अच्छा प्रमाण हैं। लगता ही नहीं कि इतना बड़ा अपराध हुआ है। सारी कोशिश मामले को ढकने और रफा—दफा करने की लगती है। पर जैसा कहा गया है ऐसा हो पाना अब असंभव है। और यह बोलने में भी हर्ज नहीं कि अब 24 लाख विद्यार्थियों और आगे के वर्षों में परीक्षा देने वाले बच्चे—बच्चियों की परीक्षा तो ली ही जाएगी, धर्मेन्द्र प्रधान और नरेंद्र मोदी सरकार की परीक्षा अभी से शुरू हो चली है। जितना वक्त बीत रहा है उनकी परीक्षा और मुश्किल होती जा रही है। अभी अदालत तो सुनवाई करके जल्दी फैसला देगी, क्योंकि उसे बच्चों के एकैडमिक साल की चिंता है और अगर दोबारा परीक्षा कराने का आदेश हुआ तो यह लगभग एक समैस्टर का वक्त बर्बाद करेगा।

दूसरा उपाय अब दिखता भी नहीं। और सरकार की चले तो उसकी जांच और सुझाव का दौर उक्षखचता जाएगा और विद्यार्थी तथा उनके मां—बाप थक—हारकर चुप बैठ जाएंगे। पर मामला ऐसा है और इसमें इन 24 लाख परिवारों का ही नहीं आगे बैठने वाले बच्चों का भी इतना कुछ दाव पर लगा है कि वे चुप नहीं बैठ पाएंगे।

पत्नी से विवाद के दौरान पति ने खुद के पेट में घोंप लिया चाकू

संवाददाता—महराजगंज। अपनी पत्नी से विवाद के दौरान एक युवक ने अपने ही पेट में चाकू घोंप लिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना देख पत्नी भी सन्न हो गई। परिजन इलाज के लिए उसे पनियरा पीएचसी में भर्ती कराये। चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देख उसे मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया है। मामला पनियरा थानाक्षेत्र के लाला बड़हरा गांव का है। शनिवार को पति व पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ता देख आक्रोशित पति पंकज घर के अंदर से चाकू लगाया और अपने ही पेट में घोंप लिया। इसके बाद हड़कंप मच गया। परिजन इलाज के लिए उसे पनियरा पीएचसी ले गए, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। प्रभारी निरीक्षक निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि घायल युवक नशे का आदी है और नशे की हालत में उसने खुद को चाकू मार लिया है।

दिनदहाड़े बकरे को उठा ले गया तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता—बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के जनकपुर रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत हलौरा गांव में शनिवार सुबह लगभग साढ़े नौ बजे तेंदुआ जब्बार का बकरा लोगों के सामने से तेंदुआ जबड़े में दबोचकर उठा ले गया। बकरे को बचाने के लिए ग्रामीणों ने लाठी डंडे लेकर शोर मचाते हुए तेंदुए का पीछा किया, लेकिन वह बकरे लेकर भाग निकला। ग्रामीणों ने बताया कि तीन माह के अन्दर इस गांव से तेंदुआ अब तक छह बकरों को अपना निवाला बना चुका है। तेंदुए की आतंक से ग्रामीणों में दहशत है। उन्होंने तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग से गांव में पिंजरा लगवाने की मांग की है।

शनिवार सुबह नौ बजे तक जनकपुर रेंज के हलौरा गांव में सब कुछ सामान्य चल रहा था। लगभग साढ़े नौ बजे जब्बार के घर के सामने बंधे बकरे पर तेंदुए ने हमला कर दिया और उसे जबड़े में दबोचकर ले उड़ा। ग्रामीण गांव में तेंदुआ देख दहशत में आ गए। बकरे को ले जाता देख ग्रामीणों ने लाठी डंडे लेकर उसका पीछा किया, लेकिन वह बकरे को लेकर तेजी से भाग निकला। ग्रामीणों ने बताया कि तीन महीना के अंदर तेंदुआ इस गांव में छह बकरे को अपना निवाला बना चुका है। एक माह पूर्व भी तेंदुआ जब्बार के घर में घुसकर एक बकरे को ले जा चुका है। वहीं गांव के ही चिनाई, हामिद व चिंनकान के एक–एक बकरे को तेंदुआ अपना निवाला बना चुका है। हामिद ने बताया कि पिछले 20 दिन पहले वन विभाग के कर्मचारी गांव में आए थे और गांव में पिंजरा लगवाने की बात कही थी, लेकिन आज तक गांव में पिंजरा नहीं लगवाया गया। तेंदुए की दहशत से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि इस गांव में तेंदुए की आमद बढ़ती जा रही है। सबसे अधिक खतरा गांव के बच्चों को है। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से जल्द से जल्द गांव में पिंजरा लगवाने की मांग की है। इस सम्बन्ध में एसडीओ मनोज कुमार ने बताया कि सूचना मिली है। मौके पर वन विभाग की टीम भेजी गई है। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्क रहने एवं कही भी अकेले न जाने की सलाह दी है। साथ ही शाम के समय बच्चों घर से बाहर न निकलने की भी बात कही है।

मां राजेश्वरी देवी चौरिटेबल ट्रस्ट ने किया पौधरोपण

संवाददाता—बहराइच। पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता दिखाते हुए मां राजेश्वरी देवी चौरिटेबल ट्रस्ट की संस्थापक मां राजेश्वरी देवी की स्मृति में शनिवार को ट्रस्ट के सदस्यों ने विकास खंड के कई गांव में वृहद पौधरोपण किया। ट्रस्ट के डायरेक्टर एसपी सिंह ने बताया कि संस्थापिका की इच्छा थी कि हमारा समाज एवं हमारा घर हराभरा रहे। पेड़ पौधे अधिक से अधिक मात्रा में लगाया जाए, जिससे पर्यावरण का संतुलन बना रहे। इसी क्रम में ट्रस्ट के सदस्य प्रत्येक गांव में मंदिर,मस्जिद शिवालय एवं विद्यालयों में पौधारोपण का कार्य कर रहे हैं।

दूसरे गांव में ट्रांसफार्मर लगाने पर ग्रामीणों में आक्रोश, किया प्रदर्शन

संवाददाता—बलरामपुर। भुजेहरा गांव के नाम से आए 63 केवी ट्रांसफार्मर को गंजड़ी गांव में ले जाने पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बिजली कर्मी व ठेकेदारों से बात की। ठेकेदार ने बताया कि भुजेहरा गांव के नाम पर यह ट्रांसफार्मर तो है लेकिन बदले में हमे 25 केवी का ट्रांसफार्मर चाहिए। इस पर ग्रामीणों व बिजली कर्मी के बीच कहा सुनी हो गई और भुजेहरा गांव में 63 केवी ट्रांसफार्मर न लगाने पर जमकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत उपकेंद्र महराजगंज तराई के बिजली कर्मी व ठेकेदार 63 केवी का ट्रांसफार्मर लेकर लैबुड्वा के गंजडी गांव में पहुंचे। भुजेहरा गांव के ग्रामीणों को पता चला कि भुजेहरा गांव के नाम पर आया बड़ा ट्रांसफार्मर पड़ोस के गांव गंजड़ी में लगाया जा रहा है, तो भारी संख्या में ग्रामीण वहां पहुंच गए और भुजेहरा में ट्रांसफार्मर लगवाने को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। कृष्ण दत्त द्विवेदी, पप्पू सोनी, ननकू मौर्य, प्रधान प्रतिनिधि गुलाबचंद, आनन्द मिश्रा, धर्मेंद्र कुमार, फकरुद्दीन, इरफान शाह, राजू, वजाहुद्दीन, मोहम्मद सगीर, अरूण कुमार द्विवेदी, अनिल कुमार, आलोक कुमार, राजकुमार सहित तमाम ग्रामीणों ने गंजड़ी में ट्रांसफार्मर लगाने को लेकर विरोध जताया। कहा कि करीब दो वर्ष पूर्व गांव में सौभाग्य योजना के तहत बिजली आपूर्ति के लिए सुधार किया जा रहा था। उसी समय गांव में ग्रामीण कम क्षमता के ट्रांसफार्मर नहीं लगाने दे रहे थे। उस समय ठेकेदार ने ग्रामीणों को बताया था कि 25 केवीए का ट्रांसफार्मर मौजूद नहीं है, वर्कशॉप से बनकर आता है वैसे ही भेजकर लगवा दिया जाएगा। कुछ दिन बीतने के बाद जब गांव में ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया तो ग्रामीणों ने 1912 जेई व जन प्रतिनिधि तथा ऑनलाइन शिकायत विभाग के पोर्टल पर पोर्टल पर ट्रांसफार्मर को बदलने की गुहार लगाई। विडंबना यह रही कि पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत करने वाले लोगों के पास विभाग का यह मैसेज आया कि यहां ट्रांसफार्मर लगा दिया गया है। लेकिन मौके पर ट्रांसफार्मर का कोई अता पता नहीं है।

रामपुर गांव में हर घर क्लोरिन व ओआरएस का वितरण

संवाददाता—श्रावस्ती। जमुनहा तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामपुर में डायरिया संक्रमण से दो बच्चों समेत एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इस पर स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में कैम्प लगाकर दवाएं वितरित कर रही है। एसीएमओ ने टीम के साथ गांव पहुंच कर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। एसीएमओ डा बीके श्रीवास्तव शनिवार को चिकित्सकों की टीम के साथ रामपुर गांव पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार के घर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम की ओर से हर घर क्लोरिन व ओआरएस का वितरण किया गया। वहीं एसीएमओ ने केश हिस्ट्री जांच करने के साथ ही पानी का सैम्पल भी भराया और ग्रामीणों को स्वच्छ पानी पीने व स्वच्छ स्थान पर रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के ब्लाक समन्वयक चंद्र मणि शुक्ला की ओर से टीम लगाकर गांव में साफ सफाई कराई गई। साथ ही गंदगी व जलभराव के बीच ब्लीचिंग पाउडर व चूने का छिड़काव कराया। एसीएम के साथ सीएचसी अधीक्षक डा अश्वनी कुमार तिवारी, डा अफरोज खान, डा दिवाकर सिंह, डा विजय भारत, अखिलेश शुक्ला के साथ चिल्ड्रेन संस्था की टीम मौजूद रही।

बारिश ने फिर बढ़ाई किसानों में बाढ़ की चिंता

संवाददाता—महराजगंज। एक सप्ताह तक बंद बारिश के बाद गुरुवार की शाम हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों की चिंता फिर से बढ़ा दी है। किसानों को डर है कि अधिक बारिश हुई तो फिर से उनकी धान की फसल पानी में डूब जाएगी। इससे बची फसल भी सड़ जाएगी। जिले में करीब तीन लाख हेक्टेयर में धान की रोपाई की गई है। इसमें कई हजार एकड़ खेत नदियों व नालों के किनारे है। बीते दिनों नेपाल व जिले में हुई बारिश के बाद नदियां और नाले उफान पर आ गए थे। करीब सभी नदियां खतरे के तल से ऊपर बहने लगी थी। नदी किनारे खेतों में कई दिनों तक पानी लग गया था। जिससे फसलें सड़ने लगी थी। इधर एक सप्ताह तक बारिश नहीं होने से पानी कम होने लगा था। किसानों अपने धान की फसल में खाद डालकर बचाने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन गुरुवार की शाम करीब तीन घंट से अधिक समय तक हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। किसानों का डर सता रहा है कि अधिक बारिश हुई तो उनकी फसल फिर से पानी में डूबकर नष्ट हो जाएगी। इस सीजन में कुवार तक जिले में 400 एमएम बारिश हो चुकी थी। लेकिन गुरुवार की शाम को हुई बारिश के बाद जिले में 470एमएएम बारिश दर्ज किया गया। शुरुआत में ही रिकार्ड बारिश से अनुमान लगाया जा रहा है कि आगे चलकर सूखा आ सकता है। शुक्रवार की शाम करीब चार बजे गंडक बैराज बाल्मिकी नगर से एक लाख 58 हजार 900 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

यूनानी चिकित्सालय का बाबू 10 हजार रुपये घूस लेते गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। एंटी करप्शन टीम ने शुक्रवार को क्षेत्रीय एवं यूनानी कार्यालय के एक कनिष्ठ लिपिक को दस हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम ने उसे कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले के अनुसार, सिद्धार्थनगर के लोटन बाजार निवासी अमित सिंह महराजगंज के राजकीय यूनानी चिकित्सालय पनियरा में वार्ड ब्वाय के रूप में कार्यरत हैं। एक मामले में उनके खिलाफ जांच चल रही है। इसी मामले की फाइल के निस्तारण के लिए कनिष्ठ लिपिक चित्रांश रंजन श्रीवास्तव, निवासी पादरी बाजार गोरखपुर ने अमित से दस हजार रुपये रिश्वत मांगी थी।

अमित ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम से कर दी। उसके बाद टीम ने चित्रांश को रंगेहाथ पकड़ने के लिए जाल फैलाया। उसने अमित को शुक्रवार को चुनिंदा नोटों के साथ चित्रांश के बुलाए गोरखपुर रोड स्थित जलनिगम कार्यालय के पास एक रेस्टोरेंट में भेजा। जैसे ही अमित से चित्रांश ने रुपये लिए एंटी करप्शन टीम ने उसे रंगेहाथ दबोच लिया। गिरफ्तारी से रेस्टोरेंट में अफरातफरी मच गई। एंटी करप्शन टीम में निरीक्षक संदीप दीक्षित, प्रमोद शुक्ला, निसार सहित अन्य शामिल रहे। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ हरिंद्र प्रसाद जैसवार ने बताया कि यह घूस लेने का मामला नहीं है। अमित ने चित्रांश से रुपये उधार लिए थे। चित्रांश वह रुपये वापस मांग रहा था। शुक्रवार को वही रुपये लेते वक्त एंटी करप्शन की टीम ने चित्रांश को गिरफ्तार कर लिया।

संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

संवाददाता—महराजगंज। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के ग्रामसभा सोहवल में शुक्रवार की सुबह एक विवाहिता का शव कमरे के अंदर साड़ी के फंदे के सहारे लटकता मिला। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता की ससुराल पक्ष पर बेटी की हत्या की आशंका जताई है। सोहवल निवासी श्यामू शर्मा की शादी कुशीनगर जनपद के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के जेई छपरा निवासी हरेंद्र शर्मा की पुत्री आरती शर्मा के साथ 13 माह पहले हुई थी। बताया जा रहा है कि गुरुवार को पति पत्नी में कुछ विवाद हुआ था। उस दौरान दोपहर बाद अपराह्न 3 बजे आरती ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना भी दी थी। डायल 112 की पुलिस उसके घर पहुंची। दोनों पक्षों को समझा बुझाकर वापस चली गई। देर रात आरती अपने कमरे में सोने चली गई। शुक्रवार की सुबह आरती का शव घर के अंदर साड़ी के फंदे से लटकता मिला। आरती के पिता हरेंद्र ने ससुरालियों पर हत्या कर शव फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। आरती के परिजनों ने बताया कि पहले भी उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

घाघरा के टापू में बाढ़ में फंसे 194 ग्रामीणों सुरक्षित निकाला गया

संवाददाता—बहराइच। नेपाल से पानी छोड़े जाने से अचानक बढ़े जलस्तर से शुक्रवार को देर शाम घाघरा के दूसरी ओर टापू पर खेती करने गए धर्मापुर के ग्रामीण बाढ़ के पानी में फंस गए। भारी संख्या में ग्रामीणों के फंसे होने की सूचना पर एसडीएम मौके पर पहुंचे। एसएसबी की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रात में ही 63 लोगों को बाहर लाया गया। शनिवार को भोर दोबारा रेस्क्यू शुरू कर 131 और लोगों के सुरक्षित लाया गया। इस दौरान डीएम मोनिका रानी व एसपी वृंदा शुक्ला पूरे अमले के साथ घाघरा के तट पर डटी रहीं।

मिहींपुरवा तहसील के ग्राम चलहवा के धर्मापुर गांव के लोगों की जमीन घाघरा नदी के दूसरी ओर है। शुक्रवार को सुबह करीब 200 ग्रामीण धान की रोपाई के लिए नदी पार खेत को गए हुए थे। शाम करीब छह बजे नेपाल से अचानक पानी छोड़ दिया गया। कैलाशपुरी बैराज के बाद पानी का दबाव ज्यादा होने पर छह गेट खोल दिए गए। इससे घाघरा का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। जिसके चलते टापू पर खेती करने गए लोग बाढ़ के पानी से घिर गए। फंसे हुए लोगों ने सुजौली के एसएचओ सौरभ सिंह को सूचना दी। एसडीएम संजय कुमार को सूचना मिलते ही वह तहसील प्रशासन, पुलिस व एसएसबी संग मौके पर पहुंचे। स्थानीय नावों व स्टीमर की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

रात करीब साढ़े दस बजे तक रेस्क्यू ऑपरेशन कर 63 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। बहाव तेज व रात अधिक होने की वजह से रेस्क्यू रोका गया, लेकिन फंसे हुए लोगों से मोबाइल के जरिए संपर्क बनाए रखा गया। इसकी सूचना डीएम व एसपी को मिली। डीएम भोर चार बजे ही एसपी संग एनडीआरएफ की टीम के साथ धर्मापुर घाघरा के तट पर पहुंच गईं। एनडीआरएफ, एसएसबी व पीएसी की संयुक्त टीमों की ओर से शनिवार की सुबह चार बजे फिर रेस्क्यू शुरू किया गया। सात बजे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में 131 और लोगों को बाहर लाया गया। इस तरह दो चरणों में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर 194 लोगों को घाघरा के दूसरी ओर से सुरक्षित बाहर निकाल कर उनके घर पहुंचाया गया।

घाघरा का जलस्तर बढ़ जाने से फंसे 194 लोगों में 63 महिलाएं शामिल रहीं, जो अपने खेतो व दूसरे के खेतों में धान की रोपाई करने घाघरा पार गई हुई थीं। पानी की भयावहता को देखकर परेशान महिलाएं जब सुरक्षित बाहर पहुंचीं, तो उनके चेहरे पर खुशी का ठिकाना नहीं रहा। सभी ने डीएम व एसपी की ओर से उठाए गए कदम की सराहना किया।

एसडीएम संजय कुमार की ओर से डीएम को नदी उस पार 200 लोगों के फंसे होने की सूचना दी गई। डीएम मोनिका रानी, एसपी वृंदा शुक्ला के साथ बिना देर किए भोर चार बजे ही एनडीआरएफ की टीम के साथ घाघरा नदी के कछार पर पहुंच गईं। दोनों अधिकारी तब तक मौके पर डटे रहे, जब तक सभी सुरक्षित बाहर नहीं निकल आए। सभी को घर पहुंचाने व रेस्क्यू खत्म करने के बाद दोनों आला अधिकारी वापस मुख्यालय लौटीं। दोनों अधिकारियों के मौके पर डटे रहने से तेजी से रेस्क्यू किया गया। घाघरा के पानी से घिरे ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर लाकर चिकित्सकीय टीम की ओर से सभी का परीक्षण कराया गया।

परीक्षण के बाद डीएम ने प्रभावितों को दो बसों के माध्यम से उनके घर चहलवा गांव पहुंचाया। इस दौरान एडीएम गौरव रंजन श्रीवास्तव, पुलिस व सिंचाई विभाग के भी कर्मी मौके पर डटे रहे। मोनिका रानी, डीएम ने कहा कि घाघरा का जलस्तर बढ़ने से कृषि कार्य करने के गए 200 लोगों के फंस जाने की सूचना पर वह एसपी के साथ मौके पर पहुंचीं। एनडीआरएफ, एसएसबी व पीएसी के संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन में सभी को सुरक्षित निकालकर उनके घर तक पहुंचाया गया।

सांसद से की नगर में ऑगनबाड़ी केन्द्र के स्थापना की मांग

संवाददाता—बलरामपुर। चेयरमैन प्रतिनिधि अनूप गुप्ता ने गोंडा सांसद, केंद्रीय राज्यमंत्री पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन कीर्तिवर्धन सिंह से उनके आवास मनकापुर में मुलाकात की। उन्होंने नगर की जनसंख्या के अनुसार उतरौला में आंगनबाड़ी केंद्र सृजन कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने सांसद को राज्यमंत्री बनाए जाने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। अनूप गुप्ता ने राज्यमंत्री को बताया है कि नगर पालिका परिषद उतरौला मंडल की सबसे पुरानी और बड़ी तहसील है। नगर पालिका परिषद उतरौला में 25 वार्ड है। नगर क्षेत्र की जनसंख्या लगभग 45 हजार है। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में आँगनवाड़ी केन्द्र की स्थापना न होने से सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के लाभ से नगर पालिका परिषद क्षेत्र की जनता वंचित है। नगर क्षेत्र में आँगनवाडी केन्द्र की स्थापना के लिए बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग से कई बार पत्राचार किया गया, लेकिन विभाग की ओर से आज तक नगर क्षेत्र उतरौला में आँगनबाडी केन्द्र की स्थापना को लेकर कोई कार्यवाही नहीं की गयी। जिससे नगर की जनता सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं एवं लाभ से वंचित है।

मुस्कान पुनर्वास केंद्र दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर रहा है

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल समिति के तत्वाधान में संचालित दिव्यांग बच्चों की संस्था मुस्कान पुनर्वास केंद्र आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। उक्त विचार थे नवोदय विद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ राधा द्विवेदी के जो की समिति की मीटिंग में उपस्थित थी। उन्होंने यह भी कहा कि आज मुस्कान पुनर्वास केंद्र दिव्यांग मूक बधिर एवं मानसिक मन्दबुद्धि बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर रहा है उन्हें स्वयं के पैरों पर खड़े होने का अवसर प्रदान कर रहा है। मीटिंग में उपस्थित लोगों को समिति की अध्यक्ष व मुस्कान पुनर्वास केंद्र की निदेशक डॉ रानी अवस्थी ने बताया कि हमारी संस्था से मूकबधिर बच्चे इंटर पास करके विभिन्न संस्थाओं में नौकरी कर रहे हैं जैसे लखनऊ ,कानपुर ,दिल्ली के पांच स्टार होटल में ,अमेजॉन में तथा बिग बॉस्केट आदि। इसके लिए हम इन्हें तीन माह अथवा 6 माह का प्रशिक्षण भी प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया जिस प्रकार से बच्चा प्रशिक्षित हो सके, यही नहीं बच्चे बीए भी कर रहे हैं तथा इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, सिलाई, वेल्डिंग, कंप्यूटर आदि में आईटीआई भी करके जॉब कर रहे हैं जैसी बच्चों की एवं अभिभावक की इच्छा होती है।

डॉ अवस्थी ने बताया कि हमारा उद्देश्य बस कोई बच्चा खाली ना रहे ना ही इधर–उधर घूमे। यही कारण है कि यहां से निकले हुए बच्चों की नौकरी शीघ्र ही लग जाती है और विवाह भी हो जाता है और उनका सामाजिक पुनर्वास हो जाता है। संस्था इस बात के लिए कटिबद्ध है। अभी इस बार भी काफी बच्चों की नौकरी लगी है जिसमें से 10 बच्चे केवल हाई स्कूल पास थे। इस प्रकार संस्था अब तक लगभग 15000 से अधिक दिव्यांगों को नौकरी या स्वयं का व्यवसाय करवा कर समाज में पुनर्वासित कर चुकी है और आगे भी करती रहेगी। संस्था के प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी ने कहा कि अभी भी जो मूक एवं बधिर बालक अथवा बालिकाएं हाई स्कूल या इंटर पास कर चुके हैं किंतु कहीं जॉब नहीं कर रहे हैं और जॉब करना चाहते हैं वह अपना सीवी बनाकर आधारकार्ड व मार्कशीट, सर्टिफिकेट की फोटो कॉपी तथा पासपोर्ट साइज फोटो लगाकर मुस्कान पुनर्वास केंद्र कनीगंज पासी मंदिर के बगल कार्यालय में जमा कर दें उन्हें शीघ्र ही अवसर प्रदान किया जाएगा। उक्त अवसर पर सर्वेश अवस्थी, मनीष अवस्थी, निशा ,निशु, रुचि, संगीता, अनीता, रमेश आदि उपस्थित थे।

कार्यालय आदर्श नगर पालिका परिषद महराजगंज जनपद-महराजगंज

स्वच्छ महराजगंज, सुन्दर महराजगंज

दैनिक भारतीय बस्ती के 46 वां स्थापना दिवस पर नगर पालिका परिषद महराजगंज नगरवासियों को बधाई देते हुए निम्न अपील करती है। :-

-: अपील:-

1. नगर को स्वच्छ रखने हेतु कड़े को इधर–उधर न फेंके, उसे कूड़ेदान में ही डालें अथवा नगर पालिका के गाड़ी में ही डालें।
2. डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन में हरे कूड़ेदान में गीला कचरा व नीले कूड़ेदान में सूखा कचरा डालें।
3. शादी–विवाह या किसी भी शुभ अवसर पर मोबाइल शौचालय का प्रयोग करें।
4. गीले कचरे से खाद बनाकर होम कम्पोस्टिंग को अपनाएं।
5. गृहकर/जलकर/जलमूल्य के बकाया करों की अदायगी समय से करें।
6. जन्म एवं मृत्यु की सूचना कार्यालय में 21 दिन के अन्दर दें।
7. नगर पालिका की भूमि, नाला, नाली, पोखरियों में तथा सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण न करें।
8. कान्हा गौशाला में रखे गये गौवंशो के लिए रोटी व चारा आदि को दान करें।
9. गाड़ियो को सड़क पर न खड़ा करे, इसके लिए टैक्सी स्टैण्ड का उपयोग करें।
10. नगर को कूडा मुक्त बनाने में सहयोग प्रदान करें तथा प्रतिबन्धित पॉलीथिन का उपयोग न करें।
11. नगर में बने सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालय का ही प्रयोग करें।

सम्मानित सदस्यगण

1. श्री दीपक, 2. श्रीमती सुराती देवी, 3. श्री ब्रज किशोर सिंह, 4. श्रीमती जनिता, 5. श्री जीतेन्द्र कुमार, 6. श्री गोरखनाथ 7. श्री महेन्द्र, 8. श्री राजेन्द्र गौतम, 9. श्री ऋषिकेश, 10. श्रीमती रोहिणी, 11. श्री अजय कुमार गुप्ता, 12. श्रीमती रीनू, 13. श्रीमती दुर्गावती, 14. श्री अमितेश कुमार, 15. श्री बृजेन्द्र, 16. श्रीमती संगीता, 17. श्री राहुल पाण्डेय, 18. श्री सदरे आलम, 19. श्री राणा, 20. श्रीमती रहमतुननिशा, 21. श्री लालजी, 22 श्री सिद्धार्थ नाथ शुक्ल, 23. श्री गोरख, 24. श्रीमती प्रमिला, 25. श्रीमती सावित्री

(आलोक कुमार)	(डॉ0 पुष्पलता मंगल)	(डॉ0 पंकज कुमार वर्मा)	(अनुनय झा)
अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष	अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)	जिलाधिकारी
न0पा0प0महराजगंज	न0पा0प0महराजगंज	जनपद–महराजगंज	जनपद–महराजगंज

पत्रांक— मेमो /न0पा0प0 मह0/2024–25 दिनांकः— 19—07—2024

प्रदेश ने 36.50 करोड़ पौधे रोपकर नया कीर्तिमान रच दिया –मुख्यमंत्री

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी अधिक गर्मी तो कभी अतिवृष्टि और कभी अचानक बाढ़ भविष्य के प्रति आगाह करने वाली तथा ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी है। इस चेतावनी को ध्यान में रखकर धरती मां को हरा–भरा बनाने का संकल्प लेकर उसे पूरा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर सरकार ने व्यापक जनसहभागिता से प्रदेश एक दिन में 36.50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य हासिल कर नया कीर्तिमान रच दिया है। इस नए रिकॉर्ड के लिए सभी प्रदेशवासियों को बधाई है।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'एक पेड़ मां के नाम जन अभियान के तहत शनिवार शाम शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में पारिजात का पौधा रोपने के बाद आयोजित कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष की गर्मी लंबे समय तक लोगों को याद रहेगी। आमतौर पर गोरखपुर और आसपास के जिलों में 42–43 डिग्री तापमान रहता था, लेकिन इस वर्ष तापमान 46–47 डिग्री तक पहुंच गया। अधिक गर्मी, भीषण लू, अतिवृष्टि, असमय बाढ़, कभी सूखा पड़ जाना ये सभी ग्लोबल वार्मिंग की तरफ ध्यान आकृष्ट करते हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में बाढ़ आई, जबकि पहले अधिकतम 15 सितंबर तक बाढ़ आती थी। कहा कि कभी जुलाई के प्रथम सप्ताह में बाढ़ नहीं आती थी। लेकिन इस वर्ष जुलाई के पहले सप्ताह में बाढ़ आई और प्रदेश के 24 जिले इससे प्रभावित हुए हैं। मौसम में यह बदलाव भविष्य के प्रति लोगों को आगाह करने वाला है। ऐसे में समय रहते इसे सही करना होगा नहीं तो प्रकृति अपने हिसाब से सुधार करेगी। प्रकृति की इस चेतावनी को ध्यान में रखते हुए पूरे प्रदेश में जनता की सहभागिता से रिकॉर्ड पौधे रोपे गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वन पर एक पेड़ मां के नाम का अनुसरण करते हुए प्रदेश में हर व्यक्ति, संस्था, विभाग इस पवित्र कार्य से जुड़े हैं। राज्य में एक व्यक्ति की तरफ से मां के नाम तीन–तीन पेड़ लगाए गए हैं। हर तरफ एक ही आह्वान नजर आया, पेड़ लगाना है, पेड़ बचाना है और पर्यावरण को बचाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले सात वर्ष में प्रदेश में 168 करोड़ पौधे रोपकर कीर्तिमान रचा गया है। इनमें से 75–80 प्रतिशत पेड़ सुरक्षित भी हैं। कहीं नक्षत्र वाटिका बनाई गई है तो कहीं नवग्रह वाटिका और हरिशंकरी वाटिका। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पौधों की कमी नहीं है। वन और उद्यान विभाग तथा निजी नर्सरियों के पास 50 करोड़ पौधे थे। इनमें से 36.50 करोड़ का इस्तेमाल शनिवार को अभियान में हुआ है और शेष पौधों का भी क्रमिक रोपण किया जाएगा। अब वैश्विक संस्थाएं भी प्रदेश में पौधरोपण को मान्यता दे रही हैं। कहा कि कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण को क्षति हो रही है। बचाव के लिए किसानों ने पेड़ लगाने के साथ ही कार्बन क्रेडिट अभियान के साथ अपना पंजीकरण कराया। सरकार के प्रयास से प्रदेश के 25 हजार किसानों को कार्बन क्रेडिट के लिए 200 करोड़ का अनुदान मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 साल पहले लखनऊ में कुकरैल नदी का गोमती नदी में संगम होता था। 50 सालों में इसे पाटकर भूमाफियाओं ने कब्जा कर लिया। वहां बांग्लादेशी और रोहिंग्या तक बस गए। कुकरैल नदी को उसका स्वरूप देने के लिए सरकार को बड़े पैमाने पर अभियान चलाना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट तक जाना पड़ा। अब कुकरैल नदी को इको टूरिज्म के स्पॉट के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण जी के नाम पर सौमित्र वन बसाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के गोड़धोइया नाला परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि इससे जलनिकासी की समस्या का समाधान होगा। नालों से अतिक्रमण हटेगा तभी शहरों में जलभराव को दूर किया जा सकेगा। उन्होंने आमजन से अपील की कि कभी भी गलत को प्रश्रय नहीं देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर के चिड़ियाघर को काकोरी कांड के नायकों में शामिल शहीद अशफाक उल्ला खां के नाम पर है। यह चिड़ियाघर मनोरंजन और ज्ञानवर्धन का माध्यम है। यहां पौधरोपण कर पर्यावरण को वन्यजीवों के अनुकूल किया जा रहा है।

पौधरोपण कार्यक्रम में सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि सीएम योगी हमेशा जीव, जीवन और पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। पर्यावरण और धरा को सुरक्षित करने के लिए उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश हर वर्ष पौधरोपण का नया कीर्तिमान बना रहा है। स्वागत संबोधन मुख्य वन संरक्षक भीमसेन ने किया। इस अवसर पर विधायक विपिन सिंह, श्रीराम चौहान, राजेश त्रिपाठी, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत मे मुख्य वन संरक्षक तथा प्रभागीय वन अधिकारी एवं चिड़ियाघर के निदेशक विकास यादव ने मुख्यमंत्री एवं जनप्रतिनिधियों को पौधे भेंट किए।

आंख में मिर्ची डाली, सिर पर लोहे की रॉड से किया हमला– संचालक से लूट ले गए 2.50 लाख रुपये

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बढनी कस्बे लोहियानगर में शुक्रवार रात लगभग 11:30 बजे ग्राहक सेवा केंद्र व किराने की दुकान करने वाले व्यापारी संग बदमाशों ने लूटपाट कर ली। घर जाते समय रास्ते में बदमाशों ने घेरकर व्यापारी की आंख में मिर्ची पाउडर डालकर व उसके सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर ढाई लाख लूट लिए। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के बढनी कस्बे लोहियानगर में शुक्रवार रात लगभग 11:30 बजे ग्राहक सेवा केंद्र व किराने की दुकान करने वाले व्यापारी संग बदमाशों ने लूटपाट कर ली। घर जाते समय रास्ते में बदमाशों ने घेरकर व्यापारी की आंख में मिर्ची पाउडर डालकर व उसके सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर ढाई लाख लूट लिए।

सूचना पर पहुंची पुलिस व मुहल्ले वासियों ने घायल व्यापारी को इलाज के लिए बढनी पीएचसी पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक, बढनी नगर पंचायत के लोहिया नगर निवासी राज हंस बढनी एसएसबी कैंप के सामने ग्राहक सेवा केंद्र व साथ में किराने की दुकान भी चलता है। रोज की तरह वह दुकान देर रात दुकान बंद कर घर आता और सुबह नौ बजे दुकान खोलने जाता था। पीड़ित के मुताबिक, शुक्रवार रात लगभग साढ़े 11 के बाद दुकान बंद कर घर आ रहा था। जैसे ही रेलवे फाटक पार कर लोहिया नगर के अपने घर जाने वाले के गली में गया, तभी घात लगाए हुए कुछ बदमाशों ने उसे घेर लिया। पहले आंख में मिर्ची का पाउडर डाल दिया और फिर लोहे की रॉड से सिर पर हमला कर लहूलुहान कर दिया। व्यापारी राज हंस जख्मी होकर सड़क पर गिर गया। इस दौरान बदमाशों ने व्यापारी के बैग में रखे ढाई लाख रुपये लूट लिए और फरार हो गया। घायल अवस्था में राज हंस ने वारदात की जानकारी परिजनों को दी। उसके बाद परिजन पुलिस को जानकारी दी। ढेबरुआ थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह ने बताया कि व्यापारी के साथ हुए वारदात की जांच पुलिस टीम कर रही है। पीड़ित की तरफ से दिए गए तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

महिला का शव फंदे से लटकता मिला

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के ग्राम जंगल डुमरी नम्बर दो के खजुरहिया टोले पर शनिवार की सुबह करीब आठ बजे महिला का शव जीने पर लगे बांस से दुपट्टे के फंदे के सहारे लटकता हुआ मिला। पुलिस ने मौका मुआयना किया। फोरेंसिक टीम की जांच के बाद शव नीचे उतारा गया। मृतका करीब दो माह से युवक के साथ रह रही थी। मृतका की मां ने हत्या का आरोप लगाते हुए नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम जंगल सखनी के टोला मक्खनपुर निवासी पलटन निषाद के पुत्री सुमन की शादी करीब तीन वर्ष पहले महराजगंज जिले के निचलौल क्षेत्र में हुई थी। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर उसका पति छोड़ दिया था। बाद में पीड़िता द्वारा पति के खिलाफ केस कर दिया गया था। ऐसे में वह मायके में रह रही थी। बताया जा रहा है कि गुलरिहा थाना क्षेत्र के ग्राम जंगल डुमरी नम्बर दो के टोला खजुरहिया निवासी गोलू चौहान पुत्र श्रीराम चौहान का करीब एक वर्ष पहले सुमन के साथ प्रेम प्रसंग हो गया। आरोप है कि लगभग दो माह पहले गोलू चौहान महिला को साथ लेकर अपने घर आ गया और दोनों एक साथ रहने लगे। मगर उसके परिवार के अन्य सदस्य इससे नाराज थे। बताया जा रहा है कि कुछ ही दिनों में इन दोनों के बीच अनबन शुरू हो गयी। मामला गुलरिहा थाना पहुंचा जहां दोनों पक्षों में समझौता होने के बाद फिर से महिला गोलू के घर आकर रहने लगी। शनिवार की सुबह गोलू के घर पर सुमन की लाश घर के सीढ़ी पर लगे टीनशेड के नीच बांस में दुपट्टा के सहारे लटकता हुआ मिलने से हड़कम्प मच गया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर जाकर घटना की जांच पड़ताल करने लगी।

अदालती नोटिस

न्यायालय– जनपद न्यायाधीश बस्ती
जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद/आवेदन संख्या 90 सन् 2024
किसान सर्वोदय विद्यालय समिति रायठ बनाम –सायल
किसान सर्वोदय विद्यालय समिति रायठ तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली पोस्ट रायठ जनपद बस्ती द्वारा प्रबन्धक/ मंत्री अजय कुमार पाण्डेय –आवेदक

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि किसान सर्वोदय विद्यालय समिति रायठ में निहित कुछ आराजियात स्थित ग्राम मसिना खास तप्पा मसिना परगना मसिना तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर गाटा संख्या– 93 क रक्बा 0.583, हे0 गाटा संख्या– 99 रक्बा 1.2910 हे0 गाटा संख्या– 146 रक्बा 1.1130 हे0 गाटा संख्या– 249 रक्बा 0.1020 हे0 गाटा संख्या– 252 रक्बा 1.6630 हे० तथा ग्राम निपनिया कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रुधौली जिला–बस्ती मे स्थित गाटा संख्या– 52 रक्वा 0.580 हे० है। विद्यालय की आवश्यक्ता पूर्ति हेतु उपरोक्त आराजियात बेचकर /अन्तरित करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रेषित किया है।

अतः यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 26–7–24 को न्यायालय में प्रस्तुत कर दे जिससे प्रार्थना पत्र का निस्तारण नियमानुसार किया जा सके।

कृते
जनपद–न्यायाधीश बस्ती

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0 341/2024
मु0नं0 C 202417000000341
अदालत– श्रीमान आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती मनभावती
बनाम
शिव प्रसाद आदि
1. शिव प्रसाद पुत्र जगदम्बा प्रसाद निवासी ग्राम बडकुइया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. ग्राम सभा इटई खजुरी जरिए प्रधान ग्राम बडकुइया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती 3. सरकार उत्तर प्रदेश जरिये जिलाधिकारी बस्ती 4. राम प्रकाश पुत्र रामशंकर 5. श्रीमती किरन देवी पत्नी राकेश कुमार ग्राम बडकुइया तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 16–08–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 16 महीना 08 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 20 माह 07 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0 C 201917000000872
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती
मणिनाथ आदि
बनाम
चन्द्रावती देवी आदि
1. चन्द्रावती देवी मृतक पत्नी स्व0 रामनरेश जरिए वारिसान 2. विन्देश्वरी 3. चन्द्रेश 4. जगदीश पुत्रगण स्व0 रामनरेश साकिन मनिकौरा कला तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–विपक्षीगण प्रथम वर्ग
5. ग्राम पंचायत मनिकौरा कला वजरिये प्रधान ग्राम पंचायत मनिकौरा कला तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–विपक्षी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 26–07–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 26 महीना 07 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0 C 202017000000205
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती
कन्हैया लाल
बनाम
राम प्रकाश आदि
1. राम प्रकाश 2. राम कैलाश पुत्रगण श्रीराम 3. विनोद कुमार 4. मनोज कुमार पुत्रगण रामशंकर 5. श्रीमती गुजराती पत्नी रामशंकर निवासीगण जनवल तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 22–08–2024
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 08 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 52/2023
लालचन्द आदि
बनाम
हरीराम आदि
1. हरीराम उम्र लगभग 53 साल 2. रामप्रीत उर्फ नान्हू उम्र लगभग 49 साल 3. गोल्हई उम्र लगभग 45 साल पुत्रगण स्व0 राम दुलारे निवासीगण मौजा बखरिया तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 20–08–2024
हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 20 माह 08 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 20 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 552/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती
कुमारी देवी आदि
बनाम
मनभावती आदि
1. मनभावती पत्नी दुधई उर्फ बुधई निवासी ग्राम नेदुला तप्प दक्खिन हवेली परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. रामहरी उर्फ हरीराम पुत्र स्वारथ साकिन मौजा उमरी अहरा तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 09–09–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 99/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती
श्रीमती बालजती आदि
बनाम
कन्हैया लाल
1. कन्हैया लाल पुत्र स्व0 सीताराम साकिन कड़ेसरी मिश्र तप्पा जगन्नाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 09–08–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कार्यालय ग्राम पंचायत बभनी मिश्र विकास खण्ड–रूधौली, जनपद–बस्ती

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **बभनी मिश्र** विकासखंड **रूधौली** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना/ 15 वीं वित्त/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिंग इंट, प्रथम श्रेणी इंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड होम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाडू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कूड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का टू हैड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 22–07–2024 से दिनांक 29–07–2024 को 11:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म वांछित प्रपत्र बंद लिफाफे में कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **बभनी मिश्र** में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 29–07–2024 को अपरान्ह 2:00 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्तें

1– अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष कर आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।
2– जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
3–आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के समय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।
5– ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।
6– घरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।
7– धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **बभनी मिश्र** के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8– निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।
9– आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
10– सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।
11– सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।
12– आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
13– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा ।
14– निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है ।
15– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
16– निविदा के सबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

ग्रीशचन्द्र
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–**बभनी मिश्र**
विकास खण्ड–रूधौली जनपद बस्ती

सतीश चन्द्र गौतम
सचिव
ग्राम पंचायत–**बभनी मिश्र**
विकास खण्ड–रूधौली जनपद बस्ती

कार्यालय जिला पंचायत बस्ती

पत्रांक /12 (2) का/जि0पं0ब0/2024–25 दिनांक 20.07.2024

आवश्यक सूचना

जनपद बस्ती के ग्रामीण क्षेत्रों में अर्न्तगत आने वाले व्यवसाय प्राइवेट शिक्षण सस्थान, इस्टीच्यूट इंजीनियरिंग कालेज, प्राइवेट हास्पिटल, पैथोलॉजी एवं एक्सरे क्लीनिक, गैस एजेन्सी कैटरिंग, शापिंग माल, टायर विक्रेता, (सभी प्रकार के) टोल प्लाजा, प्राइवेट डिग्री कालेज, प्राइवेट जूनियर हाईस्कूल, प्राइवेट इण्टर कालेज, हाटनिक्स प्लाण्ट, पशुआहार, आर्किटेक (वास्तुकार), एवं अन्य प्रकार की दुकानें जो उपविधि में सम्मिलित नहीं हैं, को लाइसेन्स सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु जिला पंचायत बस्ती के बोर्ड की बैठक दिनाक 06.07.2024 प्रस्ताव राख्या–05 द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।

अतः सर्वसाधारण/जनपद बस्ती के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित व्यवसयियों को सूचित किया जाता है कि किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय जिला पंचायत बस्ती में उपस्थित होकर जिला पंचायत के सूचना पट्ट पर चस्पा सूची का अवलोकन कर एक माह के अन्दर अपनी आपत्ति कार्यालय जिला पंचायत बस्ती में प्रस्तुत कर सकते हैं, समयावधि समाप्त होने के उपरान्त कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

कार्य अधिकारी,
जिला पंचायत बस्ती।

अपर मुख्य अधिकारी,
जिला पंचायत बस्ती।

पृ0सं0 12 (2) का/जि0पं0ब0/2024–25 दिनांक 20.07.2024

रामलला के पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू, सफेद धोती व पीली चौबंदी में नजर आएंगे पुजारी

संवाददाता–अयोध्या। रामलला की पूजा–अर्चना करने वाले पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। राममंदिर के पुजारी अब सफेद धोती व पीली चौबंदी में नजर आएंगे। ट्रस्ट की ओर से जल्द ही सभी पुजारियों को ड्रेस उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही रामलला की पूजा–अर्चना करने वाले सभी 25 पुजारियों को राममंदिर ट्रस्ट की ओर से की–पैड फोन दिया गया है। पुजारी राममंदिर में अब केवल की–पैड वाले फोन का ही इस्तेमाल कर सकेंगे, एंड्रॉएड फोन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। शुक्रवार को राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने नए पुजारियों के साथ बैठक कर उन्हें राममंदिर की आचार संहिताओं से परिचित कराया। इसी क्रम में ड्रेस कोड भी लागू कर दिया गया है। ट्रस्ट की ओर से पुजारियों को तीन सेट गर्मी के लिए व तीन सेट ठंडी के लिए ड्रेस उपलब्ध कराई जाएगी। राममंदिर में पुजारियों के लिए एंड्रॉएड फोन के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है। ट्रस्ट ने पुजारियों को की–पैड वाले फोन दे दिये हैं। पुजारी राममंदिर में इसी फोन का इस्तेमाल बात करने के लिए करेंगे। जबकि उनके एंड्रायड फोन को मंदिर में बने लॉकर रूम में जमा करा दिया जाएगा।

मंदिर में फोटोग्राफी, वीडियो बनाने की सख्त मनाही है। राममंदिर के पुजारी प्रेमचंद्र त्रिपाठी ने बताया कि पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। ड्रेस ट्रस्ट की ओर से उपलब्ध कराया जाएगा। सभी पुजारियों को की–पैड वाले फोन भी प्रदान किए गए हैं।

राममंदिर में पूजा–सेवा करने के लिए निर्धारित किए गए रोस्टर से भी पुजारियों को अवगत करा दिया गया है। सभी पुजारियों को जारी किए गए रोस्टर की एक–एक प्रति उपलब्ध करा दी गई है। नए पुजारी पुराने पुजारियों के साथ रोस्टर के अनुसार ही पूजा–पाठ करेंगे। जो पुजारी गर्भगृह में लगाए गए हैं उनकी ड्यूटी आठ से 10 घंटे की होगी। जबकि कुबेर टीला, यज्ञ मंडपम, अस्थायी मंदिर में विराजमान हनुमान जी की पूजा–अर्चना के लिए रोस्टर अलग होगा। यहां चार से छह घंटे के लिए पुजारियों को लगाया जाएगा। यह व्यवस्था 22 जुलाई से प्रभावी होगी। संघ के शीर्ष प्रचारक भैया जी जोशी बृहस्पतिवार की देर शाम अयोध्या पहुंचे। उनके साथ उनके परिजन भी अयोध्या पहुंचे थे। उन्होंने शुक्रवार की सुबह रामलला के दरबार में हाजिरी भी लगाई। दर्शन–पूजन कर मंदिर निर्माण के लिए चल रहे कार्यों को भी देखा। राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय सहित अन्य ट्रस्टियों के साथ बैठक कर मंदिर निर्माण कार्यों की प्रगति भी जानी। चंपत राय ने उन्हें बताया कि निर्धारित समय सीमा के हिसाब से ही मंदिर निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com